

**अविषय वि.** (तत्.) 1. जो चर्चा आदि का विषय न हो; प्रतिपादन के अयोग्य 2. विषय-शून्य पुं. (तत्.) इंद्रियों के विषय की उपेक्षा विलो. विषय।

**अविसंवादित वि.** (तत्.) जिसका विसंवाद या खंडन न किया गया हो, सर्वस्वीकृत।

**अविस्तार वि.** (तत्.) विस्तार का अभाव, संक्षिप्तता क्रि.वि. बिना किसी विस्तार के।

**अविस्तीर्ण वि.** (तत्.) 1. जो विस्तीर्ण न हो, जिसे अधिक न फैलाकर छोटा कर दिया गया हो, कम फैलाव वाला 2. संक्षिप्त विलो. विस्तीर्ण।

**अविस्तृत वि.** (तत्.) 1. कम फैला हुआ 2. संक्षिप्त 3. अविरल 4. घना विलो. विस्तृत।

**अविहित वि.** (तत्.) 1. जो नियमादि के अनुसार विहित न हो, जिसका विधान शास्त्र सम्मत न हो, शास्त्र-विरुद्ध हो 2. निषिद्ध, अनुचित 3. अकरणीय 4. अयोग्य विलो. विहित।

**अवीचि वि.** (तत्.) 1. शांत, जिसमें लहरें न हों, तरंगशून्य, अचंचल 2. एक नरक का नाम।

**अवीर वि.** (तत्.) 1. जो वीर न हो, पौरुषहीन, कायर 2. जिसके कोई पुत्र न हो।

**अवीरा स्त्री.** (तत्.) 1. जिस स्त्री का पति एवं पुत्र न हो 2. मनमाना आचरण करने वाली (स्त्री)।

**अवीर्य वि.** (तत्.) अशक्त, अप्रभावी, निर्वीर्य।

**अवृत वि.** (तत्.) 1. जिसे चुना या बुलाया न गया हो 2. अरक्षित, रक्षाविहीन 3. जो किसी के वश में न हो, अवशीभूत।

**अवृत्ति स्त्री.** (तत्.) 1. जीविका का अभाव 2. स्थिति या विद्यमानता का अभाव 3. प्रवृत्ति न होना वि. अस्तित्वहीन, जीविकाहीन।

**अवृथा अव्य.** (तत्.) 1. जो व्यर्थ या निष्फल न हो, रामबाण 2. सफल क्रि.वि. सफलता के साथ, सफलतापूर्वक।

**अवृद्धिक वि.** (तत्.) 1. जो स्थिर रहे, जिसमें बढ़ोतरी न हो, 2. वह (धन) जिस पर ब्याज न लगे।

**अवृष्टि स्त्री.** (तत्.) वर्षा का अभाव, सूखा।

**अवेक्षक वि.** (तत्.) ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने वाला।

**अवेक्षण पुं.** (तत्.) 1. अवलोकन, ध्यानपूर्वक देखना 2. संज्ञान 3. देखभाल, निरीक्षण।

**अवेक्षणीय वि.** (तत्.) 1. देखने योग्य 2. ध्यान देने योग्य 3. दर्शनीय, सुंदर।

**अवेक्षा स्त्री.** (तत्.) ध्यान, संज्ञान, नोटिस। cognizance

**अवेक्षित वि.** (तत्.) 1. निरीक्षित 2. जो ध्यान में आ गया हो, जिसका संज्ञान ले लिया गया हो।

**अवेतन वि.** (तत्.) बिना वेतन का, वेतन-रहित।

**अवेतन छुट्टी स्त्री.** (तत्.) छुट्टी का वह प्रकार जिसमें कर्मचारी वेतन पाने का हकदार नहीं होता।

**अवेद्य वि.** (तत्.) 1. जिसे जाना न जा सके, अज्ञेय 2. अलभ्य।

**अवेल वि.** (तत्.) अवेला। समय सीमा रहित, कुवेला, असामयिक।

**अवेला स्त्री.** (तत्.) 1. बुरा समय, कुसमय, प्रतिकूल समय 2. विषम स्थिति वि. असमय 3. विलंब।

**अवेश वि.** (तत्.) वेश-रहित, अवस्त्र।

**अवेस्ता स्त्री.** (फा.) 1. ईरान के पूर्वी जनसमूह की एक पुरानी भाषा जो संस्कृत के अति निकट है 2. पारसियों का श्रेष्ठ धर्मग्रंथ 'जन्द' इसी भाषा में है।

**अवैज्ञानिक वि.** (तत्.) 1. विज्ञान द्वारा अप्रमाणित या असिद्ध 2. जो तर्कसंगत न हो।

**अवैतनिक वि.** (तत्.) 1. वेतन पाने की हकदारी के बिना जैसे- अवैतनिक अवकाश 2. वेतन के बिना काम करने वाला 3. सम्मानार्थक काम करने वाला। honorary